सीखने के प्रतिफल की आकलन पुस्तिका

हिंदी

कक्षा 6

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
SECTOR-32 UT CHANDIGARH

पाठ - 1

वह चिड़िया जो

शिक्षण के लक्ष्य:

- कविता सुनने के बाद सभी विद्यार्थी कविता के काव्यांशों से संबंधित पेक्षणों के उत्तर देने में समर्थ होंगें| जैसे- चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है? आदि|
- कक्षा में चर्चा की जाएगी कि नीले पंखों वाली वह छोटी-सी चिड़िया स्वभाव से कैसी है| इस प्रकार चर्चा करते हुए विद्यार्थियों में वाचन कौशल का विकास होगा| कविता के मूल भाव को समझ कर विद्यार्थी अपने विचार रख सकेंगे|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों जो लगभग 35 - 50 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी मात्राओं को ध्यान में रखते हुए निर्धारित पाठ के अंश का पठन करेंगे| पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- 8 से 10 नवीन शब्दों तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे| कविता के नए शब्द जैसे - टटोलकर, गरबीली, संतोषी आदि शब्दों का दैनिक जीवन में प्रयोग करना सीखेंगे| जिससे विद्यार्थियों के शब्द कौशल का विकास होगा|

- कविता से प्राप्त शिक्षा का वर्णन करते हुए छात्रों द्वारा कविता सुनाई जाएगी| कठिन शब्दों का श्रुतलेख दिया जाएगा| जैसे - संतोषी, उँड़ेल कर, विजन, गरबीली आदि|
- चर्चा - पक्षी और मानव में किसका जीवन बेहतर?
- बोधात्मक प्रश्न और लघु प्रश्न निर्माण किया जाएगा - यदि तुम्हें कविता का कोई ओर शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहोगे और क्यों? उपयुक्त शीर्षक सोचकर लिखो? उपर्युक्त तरीकों से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा|
- वह चिड़िया साहसी है| उसे स्वयं पर गर्व है| यह चर्चा कक्षा में की जा चुकी है| शिक्षिका द्वारा 'संतोष ही परम धाम है', 'मेहनती बनो' आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न प्रकार की ध्वनियों, जैसे - बारिश, हवा, रेल, बस, फेरीवाला आदि) को सुनने के अनुभव, किसी वस्तु के स्वाद आदि के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक/सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत करते हैं|

उपरोक्त चित्र को देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्र०1: आसमान में इंद्रधनुष कब निकलता है?

क. शरद ऋतु

ख. ग्रीष्म ऋतु

ग. वर्षा ऋतु

घ. बसंत ऋतु

प्र०2: वर्षा ऋतु में होने वाली बारिश की आवाज़ कैसी होती है?

क. टूक-टूक

ख. टिप-टिप

ग. धम-धम

घ. चम-चम

प्र०3: वर्षा ऋतु में किस प्रकार के व्यंजन खाने का मन करता है?

क. मीठा

ख. खट्टा

ग. फीका

घ. चटपटा

प्र०4: 'बादल' शब्द का कौन-सा पर्यायवाची सही है?

क. घन, पयोद

ख. खग, विहग

ग. पर्वत, नग

घ. पवन, वायु

प्र०5: 'मोहन बारिश के पानी में खेलते हुए भीग गया|' इस वाक्य में कौन-सा काल है?

क. भूतकाल

ख. भविष्यत् काल

ग. वर्तमान काल

घ. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- तालिका = 1 (ग), 2 (ख), 3 (घ), 4 (क), 5 (क)

पाठ - 2

बचपन

शिक्षण के लक्ष्य:

- शिक्षिका अपने बचपन में रहने के ढंग को बच्चों के साथ साझा करेगी| छात्र अपने बचपन के अनुभव साझा करेंगे|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों में देने में समर्थ होंगे|
- छात्रों में कठिन शब्दों का उच्चारण करने का विकास होगा व समूह में बैठे विद्यार्थी क्रमानुसार निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- शब्दों के शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाएगा| विराम चिन्हों के प्रयोग पर भी बल दिया जाएगा|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- छात्र 'बचपन की शरारतें एवं सीख' विषय पर कक्षा में लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- लिखते समय मात्राओं की शुद्धता पर बल दिया जाएगा -एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- 8 से 10 नवीन व कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे| पाठ में आए नवीन शब्द जैसे - कैस्टर ऑयल, खसखस, आश्वासन आदि शब्दों के अर्थ को जानने में समर्थ होंगे|
- नवीन शब्दों का वाक्य में प्रयोग करना जानेंगे व पाठ में प्रयुक्त पुनरुक्त शब्द, विलोम शब्द, योजक शब्द व नुक्ता शब्द खोज कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे जिससे छात्रों के शब्दकोश में विकास होगा|
- चर्चा - वो फिर एक दिन बचपन का

- लघु प्रश्न निर्माण व प्रश्नोत्तरी के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्याँकन किया जाएगा|
- लेखिका बचपन में अपने काम स्वयं करती थी| पाठ में इस बात की चर्चा की जा चुकी है| शिक्षिका द्वारा छात्रों को अपना काम स्वयं करने के लिए प्रेरित करते हुए नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- सुनी, देखी गई बातों जैसे - स्थानीय सामाजिक घटनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों पर बेझिझक बात करते हैं और प्रश्न करते हैं|

निम्नलिखित चित्र को ध्यान से देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

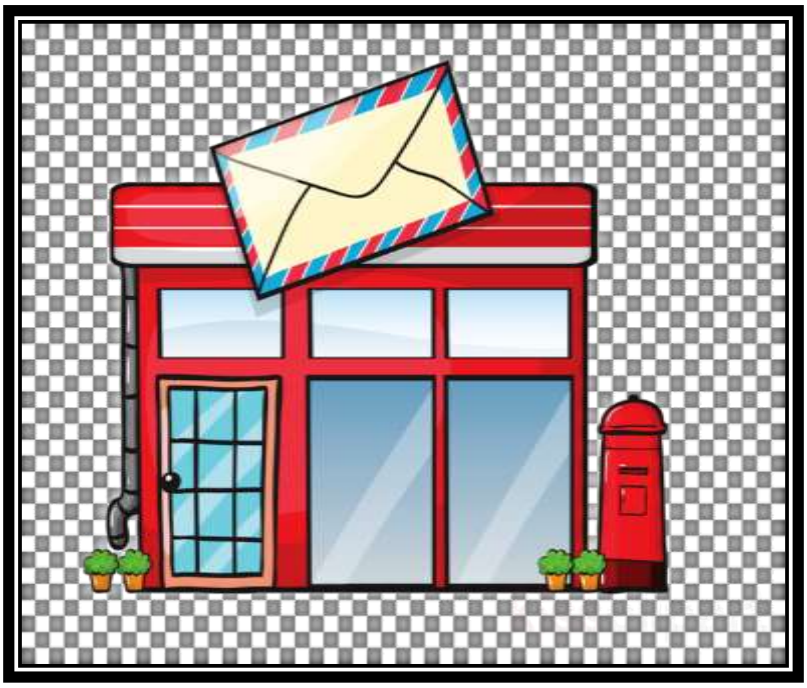

प्र०1: यह चित्र कहाँ का है?

क. अस्पताल का

ख. स्कूल का

ग. डाकघर का

घ. बैंक का

प्र०2: सुनीता को अपने दादाजी को पत्र लिखकर कक्षा में प्रथम आने की सूचना देनी है| वह पत्र को कहा डालकर आएगी?

क. दान पेटी में

ख. शिकायत पेटी में

ग. पत्र पेटी में

घ. सुझाव पेटी में

प्र०3: निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य डाकघर में नहीं किया जा सकता?

क. मनीऑर्डर

ख. पैसा जमा करना

ग. ई-मेल

घ. पार्सल भेजना

उत्तर-तालिका - 1 (ग), 2 (ग), 3 (ग)

पाठ - 3

नादान दोस्त

शिक्षण के लक्ष्य:

- छात्र पक्षियों और मनुष्य के व्यवहारिक जीवन के अंतर को स्पष्ट करेंगे| छात्र अपने मित्र के साथ बचपन की कुछ शरारतों को बता सकेंगे| शिक्षिका भी अपने बचपन की शरारत भरी घटना को साझा करेंगी|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों में देने में समर्थ होंगे| जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- छात्रों में कठिन शब्दों का उच्चारण करने का विकास होगा व समूह में बैठे विद्यार्थी क्रमानुसार निर्धारित अंश का पठन करेंगे| पाठ में आए कठिन शब्द जैसे - जिज्ञासा, झुँझलाहट, उधेड़बुन, हिस्सेदार आदि शब्दों को पढ़ने में समर्थ होंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- शब्दों के शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाएगा| विराम चिन्हों के प्रयोग पर भी बल दिया जाएगा|
- छात्र 'मित्रता' विषय पर कक्षा में पाँच पंक्ति लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा| लिखते समय मात्राओं की शुद्धता पर बल दिया जाएगा |
- एक अनुच्छेद -पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- छात्र कम-से-कम 8 से 10 नवीन व कठिन शब्द जैसे - कार्निस, हिस्सेदार, स्वीकृत, सिटकनी आदि को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे|

- नवीन शब्दों का वाक्य में प्रयोग करना जानेंगे व पाठ में प्रयुक्त पुनरुक्त शब्द, विलोम शब्द, योजक शब्द व नुक्ता शब्द खोज कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे जिससे छात्रों के शब्दकोश में विकास होगा|
- चर्चा - पशु-पक्षियों का जीवन हमसे बेहतर या नहीं|
- लघु प्रश्न निर्माण व बोधात्मक प्रश्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|
- केशव एवं श्यामा चिड़िया के बच्चों की रक्षा करना चाहते थे परंतु केशव की नादानी के कारण अंडे टूट गए, पाठ में इस बात की चर्चा की जा चुकी है| शिक्षिका द्वारा छात्रों को पक्षियों की रक्षा करने के लिए प्रेरित करते हुए नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- देखी, सुनी रचनाओं/घटनाओं/मुद्दों पर बातचीत को अपने ढंग से आगे बढ़ाते हैं जैसे- किसी कहानी को आगे बढ़ाना|

(बच्चों से प्रश्न पाठ को पढ़ाने के उपरांत पूछे जायेगें)

प्र०1: दोनों चिड़ियाँ कार्निस पर आकर बगैर बैठे ही क्यों उड़ जाती थी?

क. क्योंकि वह बच्चों से डर गई थी|
ख. क्योंकि वह जान चुकी थी कि किसी ने अंडों को छुआ है|
ग. क्योंकि वह बच्चों को खाना देने आई थी पर वहाँ खाना रखा था|
घ. क्योंकि उन्हें बहुत जल्दी थी|

प्र०2: चिड़ियाँ ने अपने अंडे स्वयं नीचे क्यों गिरा दिए?

क. क्योंकि बच्चों ने अंडे देख लिए थे|
ख. क्योंकि माँ ने अंडे देख लिए थे|
ग. क्योंकि उनमें से बच्चे निकलने का समय हो गया था|
घ. क्योंकि चिड़िया किसी के द्वारा छूए हुए अंडे नहीं सेती|

प्र०3: दोनों चिड़ियाँ दोबारा वहाँ क्यों दिखाई नहीं दी?

क. क्योंकि केशव और श्यामा उन्हें तंग करते थे|

ख. क्योंकि उनके घोंसले में रखे अंडे टूट चुके थे|

ग. क्योंकि उन्होंने कही ओर घोंसला बना लिया था|

घ. क्योंकि दोबारा अंडे देने के लिए उन्हें नई जगह की खोज़ करनी थी|

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (घ), 3 (घ)

पाठ - 4

चाँद से थोड़ी सी गप्पें

शिक्षण के लक्ष्य:

- प्रत्येक छात्र कक्षा में पढ़ाये गए काव्यांशों के पुनर्वाचन करेंगे| चंद्रमा के घटने-बढ़ने की प्रक्रिया व चाँद के बारे में जानकारी साझा करेंगे|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी मात्राओं को ध्यान में रखते हुए निर्धारित काव्यांश का पठन करेंगे| कविता में आए शब्द जैसे - तारों-जड़ा, गोरा-चिट्टा, बुद्धू आदि शब्दों का पठन करने में समर्थ होंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- शब्दों के शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाएगा| विराम चिन्हों के प्रयोग पर भी बल दिया जाएगा|
- कक्षा में पढ़ाई गई कविता का सार अपने शब्दों में लिखेंगे| लिखते समय मात्राओं की शुद्धता पर बल दिया जाएगा |
- एक अनुच्छेद -पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- 8 से 10 नवीन शब्द जैसे - सिम्त, गोकि आदि शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे व कविता में प्रयुक्त पुनरुक्त शब्द, पर्यायवाची शब्द, योजक शब्द व नुक्ता शब्द खोज कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे जिससे छात्रों के शब्दकोश में विकास होगा|
- चर्चा - चंद्रग्रहण के कारण|
- लघु प्रश्न निर्माण व प्रश्नोत्तरी|

- कृष्ण पक्ष व शुक्ल पक्ष का क्या अर्थ होता है - स्पष्ट कीजिए| विभिन्न माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|
- 'यदि कोई हमारी कमियाँ बताता है तो हमें उस बात का बुरा नहीं मानना चाहिए बल्कि उस पर सुधार करना चाहिए' शिक्षिका द्वारा छात्रों में इस नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- रेडियो, टी० वी०, अखबार, इंटरनेट में देखी/सुनी गई खबरों को अपने शब्दों में कहते हैं|

प्र०1: जिस दिन आकाश में चाँद का पूर्ण चक्र दिखाई देता है, उस दिन को क्या कहते है?

क. अमावस्या
ख. एकादशी
ग. पूर्णिमा
घ. दूज का चाँद

प्र०2: हिन्दू पंचांग के अनुसार, किस पक्ष के अंतिम दिन को पूर्णिमा कहते है?

क. कृष्ण पक्ष के
ख. शुक्ल पक्ष के
ग. मेघ पक्ष के
घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०3: चंद्रग्रहण कब होता है?

क. जब चाँद पृथ्वी और तारों के बीच आता है|

ख. जब चाँद और सूर्य के बीच पृथ्वी आ जाती है|

ग. जब चाँद सूर्य और पृथ्वी से दूर जाता है|

घ. जब चाँद तारों के पास होता है|

सीखने का प्रतिफल

- विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बात को अपने ढंग से बताते हैं जैसे: आँखों से न् देख पाने वाले साथी का यात्रा-अनुभव|

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

मानव-जीवन में वृक्षों का अत्यधिक महत्व है| आदिकाल से ही मनुष्य अपने जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं के लिए वृक्षों पर निर्भर रहा है| यह हमारा दुर्भाग्य है कि मनुष्य वृक्षों की महत्ता को न जानकर स्वार्थवश वृक्षों को अंधाधुंध काटते जा रहे है| प्रकृति इसका बदला भी हमसे ले रही है| प्राकृतिक आपदाओं के रूप में मनुष्य के इन् घृणित कार्यों के भयंकर परिणाम सामने आ रहे है| समय आ गया है जब मनुष्य को वृक्षों का संरक्षण करना चाहिए|

प्र०4: जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं कौन सी है?

क. नहाना, धोना और खाना

ख. रोटी, कपड़ा और मकान

ग. चलना, फिरना और सोना

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०5: निम्नलिखित में से कौन सी आपदा प्राकृतिक आपदा है?

क. प्रदूषण

ख. बाढ़

ग. सूखा

घ. उपरोक्त सभी

प्र०6: वृक्षों के संरक्षण के लिए हमें निम्नलिखित में से क्या नहीं करना चाहिए?

क. वृक्षों को नहीं काटना चाहिए|

ख. नए वृक्ष लगाने चाहिए|

ग. वृक्षों पर घोंसले बनाने चाहिए|

घ. वृक्षों की देखभाल करनी चाहिए|

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ख), 3 (ख), 4 (ख), 5 (घ), 6 (ग)

पाठ - 5

अक्षरों का महत्व

शिक्षण के लक्ष्य:

- छात्र अक्षरों के महत्त्व के बारे में क्या जानते हैं - अपने अपने विचार साझा करेंगे| शिक्षिका पृथ्वी पर अक्षरों की उत्पत्ति की विकास यात्रा को समझाती हुई अपने विचार साझा करेंगी| इससे छात्रों में श्रवण व वाचन कौशल का विकास होगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी मात्राओं को ध्यान में रखते हुए निर्धारित अंश का पठन करेंगे| पाठ को व्याख्यात्मक पद्धति से समझाया जाएगा| पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- शब्दों के शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाएगा| जिससे उच्चारण क्षमता में वृद्धि होगी| विराम चिन्हों के प्रयोग पर भी बल दिया जाएगा|
- अ से ज्ञ तक सारे वर्ण लिखेंगे|
- पुराने ज़माने में लोग यह क्यों सोचते थे कि 'अक्षर और भाषा की खोज़ ईश्वर ने की थी?' अपने शब्दों में लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों की लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- छात्र 8 से 10 नए शब्दों को रेखांकित कर उनके प्रति जिज्ञासा रखते हुए और उनके अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करेंगे|

- पाठ में आए शब्द जैसे - वृत, वनस्पतियों, किरणों, सभ्य आदि शब्दों में प्रयोग करना जानेंगे|
- वर्णों को मिलाकर शब्दों का निर्माण करेंगे व पाठ में प्रयुक्त पुनरुक्त शब्द, विलोम शब्द, योजक शब्द, नुक्ता, अनुस्वार व अनुनासिक शब्द खोज़ कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे जिससे छात्रों के शब्दकोश में विकास होगा|
- चर्चा - वर्णमाला का विकास, वर्ण-विच्छेद|
- अक्षरों का महत्त्व को जानेंगे|
- पाठगत प्रश्नोत्तर|
- अक्षरों का चार्ट बनाएंगे| विभिन्न माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|
- जिस तरह अक्षरों की खोज़ के साथ एक नए युग की शुरुआत ही उसी तरह शिक्षिका द्वारा छात्रों को प्रेरित किया जाएगा कि वो भी कुछ ऐसा खोजें कि जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आए| शिक्षिका द्वारा इस नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में जानते हुए चर्चा करते है|

निम्नलिखित चित्र को ध्यान से देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्र०1: उपरोक्त चित्र किस त्योहार से संबंधित है?

क. दिवाली

ख. दशहरा

ग. होलिका दहन

घ. रक्षा बंधन

प्र०2: होली के त्योहार से संबंधित लोककथा का मुख्य पात्र कौन है?

क. राम

ख. रावण

ग. प्रह्लाद

घ. दशरथ

प्र०3: होलिका दहन किसका प्रतीक है?

क. हार पर जीत का

ख. बुराई पर अच्छाई की जीत का

ग. सच पर झूठ का

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०4: 'होलिका' शब्द का सही वर्ण-विच्छेद कौन सा है?

क. हो+ली+का+आ

ख. ह्+ओ+ल्+इ+क्+आ

ग. ह्+ऊ+ल्+ए+क+अ

घ. ओ+ह्+इ+ल्+क्+आ

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ग), 3 (ख), 4 (ख)

पाठ - 6

पार नज़र के

शिक्षण के लक्ष्य:

- छात्र एलियन के बारे में जानकारी साझा करेंगे व वैज्ञानिक गतिविधियों के विषय में शिक्षिका अपने विचार प्रस्तुत करेंगी| कक्षा चर्चा के माध्यम से छात्रों में श्रवण व वाचन कौशल का विकास होगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी मात्राओं को ध्यान में रखते हुए निर्धारित अंश का पठन करेंगे| पाठ को व्याख्यात्मक पद्धति से समझाया जाएगा| पाठ में आए शब्द जैसे - संदेहास्पद, लाज़िमी, सतर्कता, अंतरिक्ष आदि शब्दों का पठन करने में समर्थ होंगे|
- शब्दों के शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाएगा| जिससे उच्चारण क्षमता में वृद्धि होगी| तकनीकी शब्दों को उच्चारित करने का ज्ञान कराया जाएगा|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- ज़मीन के ऊपर मंगल ग्रह पर सब कुछ कैसा होगा, इसकी कल्पना करो और लिखो| इस तरह छात्रों में लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- संज्ञा और विशेषण शब्दों को छाँटकर लिखेंगे|
- अस्तित्व, अध्यक्ष, सुनिश्चित, निरीक्षण आदि 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे| तकनीकी शब्दों के अर्थ से परिचित होंगे|

- परिचर्चा - दूसरे ग्रहों पर लोग है या नहीं|
- पाठगत प्रश्नों के उत्तरों को लिखेंगे|
- अंतरिक्ष का चित्र बना कर पाँच वाक्य लिखेंगे|
- संज्ञा और सर्वनाम शब्दों में भेद करेंगे| इन् तरीकों के माध्यम से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा|
- जिस तरह पाठ में चर्चा की गई कि छोटू पढ़-लिख कर तकनीकी ज्ञान प्राप्त करना चाहता था उसी तरह शिक्षिका द्वारा छात्रों को प्रेरित किया जाएगा कि वो भी अच्छा पढे और देश का नाम आगे करें| शिक्षिका द्वारा इस नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- अपने से भिन्न भाषा, खान-पान, रहन-सहन संबंधी विविधताओं पर बातचीत करते हैं|

प्र०1: उपरोक्त चित्र को देखकर व्यंजन का नाम और संबंधित राज्य का नाम बताओ?

क. बेसन का हलवा, राजस्थान

ख. ढोकला, गुजरात

ग. मांडवी, गुजरात

घ. बेसन की बर्फ़ी, राजस्थान

प्र०2: सरसों का साग और मक्की की रोटी किस राज्य के खान-पान का हिस्सा है?

क. हिमाचल प्रदेश

ख. उत्तराखंड

ग. पंजाब

घ. हरियाणा

प्र०3: उपरोक्त लोकनृत्य किस राज्य का है?

क. हरियाणा

ख. उत्तराखंड

ग. राजस्थान

घ. पंजाब

प्र०4: निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द को ध्यान से देखकर संज्ञा का भेद बताए?

'दाल में <u>नमक</u> ज़्यादा हो गया है|'

क. जातिवाचक संज्ञा

ख. भाववाचक संज्ञा

ग. व्यक्तिवाचक संज्ञा

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०5: जिन सर्वनामों का प्रयोग अपने आप का बोध करने के लिए किया जाता है, उन्हें कहते हैं -

क. संबंधवाचक सर्वनाम

ख. निश्चयवाचक सर्वनाम

ग. निजवाचक सर्वनाम

घ. पुरूषवाचक सर्वनाम

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (ग), 4 (ख), 5 (ग)

पाठ - 7

साथी हाथ बढ़ाना

शिक्षण के लक्ष्य:

- 'एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना' सहयोग की भावना के विकास पर बल देते हुए कक्षा में चर्चा की जाएगी| सभी छात्र कविता वाचन करेंगे| इस प्रकार छात्रों में श्रवण व वाचन कौशल का विकास होगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- किताब से सामूहिक गीत का पठन व गायन किया जाएगा| मेहनत वालों, परबत, फ़ौलादी चट्टानों आदि शब्दों के शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाएगा जिससे उच्चारण क्षमता में वृद्धि होगी|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- अपने आस-पास आप किसे साथी मानते हो और क्यों? इस विषय पर अपने विचार लिखिए| इस तरह छात्रों में लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- कतरा, ज़र्रा, राई जैसे कठिन व 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे|
- कठिन और नवीन शब्दों का वाक्य में प्रयोग करना सीखेंगे|
- चर्चा - एकता में शक्ति|
- भाषा की बात के प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे, पाठगत प्रश्नोत्तर इत्यादि तरीकों से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|

- जिस तरह पाठ में चर्चा की गई कि एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं, उसी तरह शिक्षिका द्वारा छात्रों में सहयोग की भावना जैसे नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी विषयवस्तु का अनुमान लगाते हैं|

निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

वह पावस का प्रथम दिवस जब
पहली बूँद धरा पर आई,
अंकुर फूट पड़ा धरती से,
नवजीवन ने ली अंगड़ाई|
धरती के सूखे अधरों पर,
गिरी बूँद अमृत-सी आकर|
वसुंधरा की रोमावली-सी
हरी दूब पुलकी-मुसकाई|

प्र०1: इन पंक्तियों में किस ऋतु का वर्णन है?

क. ग्रीष्म का
ख. वर्षा का
ग. शरद का
घ. वसंत का

प्र०2: पहली बूँद धरती पर गिरने से प्रकृति में क्या परिवर्तन हुआ?

क. प्रकृति प्रसन्न हो गई|
ख. प्रकृति जाग गई|
ग. प्रकृति ने अंगड़ाई ली|
घ. प्रकृति में नए नए और छोटे छोटे पौधे निकाल आए|

प्र०3: निम्नलिखित में से कौन-सा "धरती" का पर्यायवाची नहीं है?

क. वसुधा
ख. सुधा
ग. वसुंधरा
घ. धरा

प्र०4: मनुष्य जीवन किसके सहयोग से चलता है?

क. वर्षा के सहयोग से
ख. बादलों के सहयोग से
ग. प्रकृति के सहयोग से
घ. मनुष्य के सहयोग से

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (घ), 3 (ख), 4 (ग)

पाठ - 8

ऐसे-ऐसे

शिक्षण के लक्ष्य:

- नाटक के माध्यम से जानना|
- नाटक के माध्यम से बाल मनोभावों को उजागर करते हुए छात्र दृश्य-श्रव्य कौशल को जानेंगे व साथ साथ वाचन कौशल क्षमता का भी विकास होगा
- नाट्यों के नियमों को ध्यान में रखते हुए पाठ का नाट्य रूपांतरण करेंगे|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- मान लो कि तुम मोहन की तबीयत पूछने जाते हो| अपनी और मोहन की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए| जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- कराहकर, चूरन, धमा-चौकड़ी आदि 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे| इससे उनके शब्द कौशल में वृद्धि होगी|
- अभिनय के आधार पर छात्रों को अंक देकर उन्हें पुनर्बलन देना|
- पाठगत प्रश्नोत्तर|
- संवाद कौशल पर क्रियात्मक कार्य| निम्न तरीके से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|
- शिक्षिका द्वारा छात्रों में अपना कार्य समय पर पूरा करने की प्रेरणा जैसे नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिन्दु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकलते हैं|

(पाठ को पढ़ाने के उपरांत बच्चों से प्रश्न पूछे जायेगें)

प्र०1: मोहन की तरह किसी कार्य के पूरा ना होने पर आप क्या करते है?

क. मोहन की तरह बहाना बनाते है

ख. अपना कार्य समय पर पूरा करते है

ग. अधूरा कार्य छोड़ देते है

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०2: "ना-ना, ऐसे मत कर|" किस प्रकार का वाक्य है?

क. प्रश्नवाचक वाक्य

ख. निषेधवाचक वाक्य

ग. इच्छावाचक वाक्य

घ. आज्ञावाचक वाक्य

प्र०3: 'गधे के सिर से सींग गायब होना' इस मुहावरे का क्या अर्थ है?

क. काम के समय सिंग का टूट जाना

ख. काम के समय अनुपस्थित होना

ग. काम के समय उपस्थित होना

घ. इनमें से कोई नहीं

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ख), 3 (ख)

पाठ - 9

टिकट-अलबम

शिक्षण के लक्ष्य:

- छात्र अपनी मनपसंद वस्तु के बारे में कक्षा में चर्चा करेंगे| 'चोरी करना बुरी बात है' इस विषय पर अपने विचार रखेंगे| इस प्रकार छात्रों में श्रवण व वाचन कौशल का विकास होगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी मात्राओं को ध्यान में रखते हुए निर्धारित अंश का पठन करेंगे| पठन के समय सभी छात्र विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए शुद्ध उच्चारण के साथ पठन करेंगे| इससे छात्रों में पठन कौशल का विकास होगा| पाठ में आए शब्द जैसे - अगुवा, पगडंडियों, अनंत, कृष्णन, ईर्ष्यालु आदि शब्दों के पठन में समर्थ होंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- टिकटों की तरह ही बच्चे और बड़े दूसरी चीजें भी जमा करते हैं| आपको क्या जमा करने का शौक है| अपने विचार लिखिए|
- लिखते समय मात्राओं की शुद्धता पर बल दिया जाएगा जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे| पाठ में आए कम-से-कम 4 कठिन शब्द जैसे - पृष्ठ, बुदबुदाया, फूट-फूटकर, साँकल आदि शब्दों के अर्थ जानने में समर्थ होंगें|

- परिचर्चा - झूठ बचा लेता है? पाठगत प्रश्नोत्तर - इत्यादि तरीकों से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|
- शिक्षिका द्वारा छात्रों में चोरी जैसी गलत भावना का त्याग करने की प्रेरणा जैसे नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- हिन्दी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझ कर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, राय, टिप्पणी देते हैं|

प्र०1: उपर्युक्त विज्ञापन में किस प्रकार की कहानियों की माँग की गई है?

क. राजा-रानी की कहानी

ख. पारियों की कहानी

ग. जीवन की सच्चाई की कहानी

घ. विक्रम-बेताल की कहानी

प्र०2: निम्नलिखित में से कौन-सा अधिकार बच्चों को नहीं है?

क. शिक्षा का अधिकार

ख. खेलने का अधिकार

ग. पोषण का अधिकार

घ. सुरक्षा का अधिकार

प्र०3: यूनिसेफ़ किसके विकास के लिए कार्य करता है?

क. महिलाओं के विकास के लिए

ख. पुरुषों के विकास के लिए

ग. बुजुर्गों के विकास के लिए

घ. बच्चों के विकास के लिए

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ख), 3 (घ)

पाठ - 10

झाँसी की रानी

शिक्षण के लक्ष्य:

- भारत के गौरवपूर्ण इतिहास के बारे में छात्र कक्षा में चर्चा करेंगे| झाँसी की रानी पर अपनी जानकारी साझा करेंगे|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित काव्यांश का पठन करेंगे व वीर रस का संचार होगा| शब्दों के शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाएगा जिससे उच्चारण क्षमता में वृद्धि होगी| पाठ में आए शब्द जैसे - सिंहासन, भृकुटी, हरबोलों, मर्दानी आदि का पठन करने का समर्थ होंगें|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- 'रानी लक्ष्मी बाई' के जीवन की किन्हीं पाँच विशेषताओं' को लिखिए| इससे छात्रों में लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- छात्र 8 से 10 नए शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे| पाठ में आए कठिन शब्द जैसे - मुहँबोली, बरछी, कृपाण, कटारी आदि शब्दों का अर्थ बताने में समर्थ होंगें|
- परीक्षा की दृष्टि सर प्रथम और द्वितीय काव्यांश की व्याख्या|
- चर्चा - झाँसी की रानी का जीवन|
- पाठगत प्रश्नोत्तर|

- संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों की पहचान कीजिए| इन् तरीकों के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|
- शिक्षिका द्वारा छात्रों को वीर बनने की प्रेरणा जैसे नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- भाषा की बारीकियों/व्यवस्था/ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं, जैसे - कविता में लय-तुक, वर्ण-आवृत्ति (छंद) तथा कहानी, निबंध में मुहावरे, लोकोक्ति आदि|

प्र०1: 'मुँह की खाना' मुहावरे का क्या अर्थ है?

क. गिर पड़ना

ख. बुरी तरह हार जाना

ग. भाग जाना

घ. भोजन खा लेना

प्र०2: निम्नलिखित में से कौन सा तुकबंदी का उदाहरण नहीं है?

क. तानी-ठानी

ख. खेली-सहेली

ग. वार-शिकार

घ. वैभव-खुशियाँ

प्र०3: 'नौलख हार' का अर्थ क्या है?

क. नौ लाख का हार

ख. गले का हार

ग. मटर माला

घ. नौ लोगों का हार

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (घ), 3 (क)

पाठ - 11

जो देखकर भी नहीं देखते

शिक्षण के लक्ष्य:

- प्रकृति व आँखों के महत्त्व को जानते हुए छात्र आपस में कक्षा में चर्चा करेंगें|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- विराम आदि चिह्नों को ध्यान में रखकर छात्र पाठ का पठन करेंगे| पाठ के मूल भाव पर चर्चा कर सकेंगे| गद्यांशों के महत्त्व को पढ़ेंगे| इससे सही उच्चारण शक्ति व पठन कौशल का विकास होगा| पाठ में आए शब्द जैसे - खुरदरी, क्षमताओं, इंद्रधनुषी आदि शब्दों का पठन करने में समर्थ होंगें|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- आँखों का महत्त्व विषय पर कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों का लेखन कौशल विकसित होगा| पाठ में आए कम-से-कम 4 शब्द जैसे - अचरज, प्रकृति, संवेदना, आशीर्वाद आदि शब्दों का श्रुतलेख कर पाने में समर्थ होंगें|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- 8 से 10 नवीन व कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे| भाषा ज्ञान में वृद्धि होगी| भोजपत्र, पंखुड़ियों, घुमावदार आदि शब्दों का अर्थ जानने में समर्थ होंगें|
- पाठगत प्रश्नोत्तर को लिखेंगे पाठ के आधार पर|
- चर्चा - एक दिन बिना आँखों के

- आप अपनी आँखों से प्रकृति की क्या-क्या वस्तु देखते हैं, उन्हें लिखो| इन् माध्यमों से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|
- शिक्षिका द्वारा छात्रों को आशावादी बनने व कभी हिम्मत न् हारने की प्रेरणा जैसे नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न विधाओं में लिखी गई साहित्यिक सामग्री को उपयुक्त उतार-चढ़ाव और सही गति के साथ पढ़ते हैं|

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

मैंने कहा पेड़, तुम इतने बड़े हो,

इतने कड़े हो,

ना जाने कितने सौ बरसों से आँधी पानी में

सिर ऊँचा किए

अपनी जगह अड़े हो

ऋतुएँ बदलती हैं,

मेघ उमड़ता-पसीजता है,

और तुम सब सहते हुए

संतुलित शांत, धीर खड़े हो|

प्र०1: उपरोक्त पंक्तियों में कवि ने पेड़ को कड़ा क्यों कहा है?

क. क्योंकि उसकी लकड़ी मजबूत है|
ख. क्योंकि वह हर मौसम में सिर ऊँचा करके खड़ा रहता है|
ग. क्योंकि पेड़ बड़ा घमंडी और अक्कड़ू है|
घ. क्योंकि पेड़ अपनी जगह से टस-से-मस नहीं होता|

प्र०2: कवि पेड़ की कौन सी विशेषताएँ बताता है?

क. सहनशीलता, शांत स्वभाव और धीरता
ख. घमंड, परोपकार और अड़ियल
ग. सख्त, धीर और घमंडी
घ. शक्ति, सुन्दरता और धीरता

प्र०3: प्रकृति के परिवर्तनों का पेड़ पर क्या प्रभाव पड़ता है?

क. पेड़ टूट जाता है|
ख. पेड़ की सूरत बदल जाती है|
ग. सबकुछ सहकर खड़ा रहता है|
घ. पेड़ के पत्ते झड़ जाते है|

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (क), 3 (ग)

पाठ - 12

संसार पुस्तक है

शिक्षण के लक्ष्य:

- छात्र संसार और प्रकृति चक्र के संबंध पर कक्षा में चर्चा की जाएगी| प्रकृति के विषय में अपने विचार बता पाएँगे|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- गद्यांश के अंशों का पठन किया जाएगा व विरामादि चिह्नों को ध्यान में रखते हुए पाठ का पठन करेंगे| जिससे छात्रों में भाषा साहित्य व पठन का विकास होगा| पाठ में आए शब्द जैसे - समुद्र, सितारे, नदियाँ, खुरदरा आदि शब्दों को पढ़ने में समर्थ होंगें| पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए प्रकृति के शब्दों को लिखेंगे|
- पाठ के आधार पर पृथ्वी के निर्माण की प्रक्रिया लिखेंगे जिससे छात्रों में लेखन कौशल का विकास होगा| चमकीला, चिकना, चमकदार आदि शब्दों का श्रुतलेख कर पाएंगे|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- छात्र 8 से 10 नए शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे| पाठ में आए कठिन शब्द जैसे - इतिहास, हिन्दुस्तान, पृष्ठ आदि शब्दों को लिख पाने में समर्थ होंगे|

- चर्चा - मनुष्य प्रकृति का दुश्मन, नेहरू जी पर एक लघु निबंध लिखिए, पाठगत प्रश्न-उत्तर आदि के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|
- शिक्षिका द्वारा छात्रों को प्रकृति प्रेमी/प्रकृति के प्रति आदर की प्रेरणा जैसे नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- हिन्दी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं|

निम्नलिखित गद्यांश की पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

स्वर्गीय पं० नेहरू को बच्चों से कितना प्यार था, इसका प्रमाण अचानक उस क्षण मिल जाया करता था कि जब कहीं भी आते-जाते किसी बच्चे को देखकर वे अपनी गाड़ी रुकवा, बाहर निकल धूल-माटी में लिपटे बच्चे तक को गोदी में उठाकर उसे बहलाने, पुचकारने और उससे बातें करने लग जाया करते थे| उन्हीं की प्रेरणा से इंडिया गेट के पास राष्ट्रीय बाल-उद्यान तो बना ही बहादुरशाह जफ़र मार्ग पर थोड़ा भीतर जाकर बाल-प्रतिभा के विकास और मनोरंजन के लिए 'बाल भवन' भी स्थापित किया गया| इतना ही नहीं, बच्चों को पढ़ने के लिए अच्छी, मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धक उच्चकोटि की सचित्र पुस्तकें उपलब्ध हो सकें, इसके लिए उन्होंने 'चिल्ड्रन बुक ट्रस्ट' की प्रतिस्थापना भी करवाई|

प्र०1: स्वर्गीय पं० नेहरू का जन्मदिन कब और किस दिवस के रूप में मनाया जाता है?

क. 10 अक्टूबर, बाल दिवस
ख. 14 नवंबर, बाल दिवस
ग. 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस
घ. 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस

प्र०2: बहादुरशाह जफ़र मार्ग किस राज्य में है?

क. पंजाब

ख. हरियाणा

ग. दिल्ली

घ. चंडीगढ़

प्र०3: 'उद्यान' शब्द का समानर्थी शब्द कौन सा नहीं है?

क. उपवन

ख. बगीचा

ग. वाटिका

घ. मैदान

प्र०4: 'सचित्र' शब्द में उपसर्ग कौन सा है?

क. त्र

ख. चित्र

ग. स

घ. इनमें से कोई नहीं

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (घ), 4 (ग)

पाठ - 13

मैं सबसे छोटी होऊँ

शिक्षण के लक्ष्य:

- माता का स्नेह कितना अमूल्य होता है, छात्र कक्षा में इस बात पर चर्चा करेंगें| माँ के प्रति अपना प्रेम अभिव्यक्त कर सकेंगे|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- कविता का गायन करवाएँगे जिससे उचित लय-ताल, यति-गति का विकास होगा और आरोह-अवरोह क्षमता में वृद्धि होगी|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- माँ के लिए प्रेम भाव व्यक्त करते हुए एक पत्र लिखेंगे| इससे छात्रों में लिखाण कौशल का विकास होगा| पाठ के अंत में कम-से-कम 4 शब्द जैसे - सज्जित, खिलौने, निर्भय, स्नेह आदि शब्दों को लिखने में समर्थ होंगें|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे| भाषा ज्ञान में वृद्धि होगी|
- निस्पृह, निर्भय, चंद्रोदय, धुला मुख आदि शब्दों का श्रुतलेख कर पाएंगे|
- परिचर्चा - माँ का जीवन में महत्त्व, कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखो, पाठगत प्रश्नोत्तर इत्यादि के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|
- शिक्षिका द्वारा छात्रों को अपनी माँ के प्रति आदर-भाव रखने की प्रेरणा जैसे नैतिक मूल्यों का विकास लिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उनके अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते है|

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

प्र०1: "राम को पेड़ के मूल में सोने का हार मिला जिसका मूल्य बहुत अधिक था|" - 'मूल' और 'मूल्य' शब्द का सही अर्थ क्या है?

क. जड़, पेड़

ख. जड़, कीमत

ग. गुणा, कीमत

घ. जड़, गुणा

प्र०2: "माँ ने बाज़ार से खाने का सामान मँगवाया और सभी बच्चों में समान बाँट दिया|" - 'सामान' और 'समान' शब्द का सही अर्थ क्या है?

क. समझौता, आदर

ख. वस्तु, आदर

ग. बराबर, वस्तु

घ. वस्तु, बराबर

प्र०3: "चिड़ियाँ ने दिन-रात मेहनत करके अपना नीड़ बनाया और थकने के बाद नदी से नीर पीकर अपनी प्यास बुझाई|" - 'नीड़' और 'नीर' शब्द का सही अर्थ क्या है?

क. पानी, पेड़

ख. पेड़, घोंसला

ग. घोंसला, पानी

घ. पेड़, पानी

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (घ), 3 (ग)

पाठ - 14

लोकगीत

शिक्षण के लक्ष्य:

- छात्र लोकगीतों का समाज में प्रभाव जानते हुए व लोकगीतों के महत्त्व पर कक्षा में चर्चा करेंगे| पाठ से लोकगीतों की जानकारी प्राप्त करेंगे|
- लोकगीतों सुन सकेंगे इससे छात्रों में श्रवण व वाचन कौशल का विकास होगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- गद्यांश के खंडों का पठन किया जाएगा| लोकगीतों को लय में गाया जाएगा| पाठ में आए लोकप्रियता, शास्त्रीय संगीत, लोक-साहित्य आदि शब्दों का पठन करने में समर्थ होंगें|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- सभी छात्र पाठ में आए वादय्यंत्रों को क्रमानुसार लिखेंगे|
- किसी लोकगीत की पाँच पंक्तियाँ लिखिए| इससे छात्रों में लेखन कौशल का विकास होगा| चैता, कजरी, मिर्जापुर, आकर्षित आदि शब्दों का श्रुतलेख करने में समर्थ होंगें|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे| पीलू, सारंग, सोरठ, मर्म शब्दों के अर्थ जानेंगे|

- चर्चा - लोकगीतों का महत्त्व, सभी छात्र अपने-अपने क्षेत्र के लोकगीत को लिखेंगे, पाठगत प्रश्नोंतर आदि के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|
- शिक्षिका द्वारा छात्रों को सदा खुश रहने की प्रेरणा जैसे नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विविधकलाओं जैसे -हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं| दूसरों के द्वारा अभिव्यक्त अनुभवों को ज़रूरत के अनुसार लिखना जैसे - सार्वजनिक स्थानों (जैसे -चौराहों, नलों, बस अड्डे आदि) पर सुनी गई बातों को लिखना|

प्र०1: कढ़ाई से संबंधित फुलकारी हस्तकला के लिए कौन-सा राज्य प्रसिद्ध है?

क. राजस्थान

ख. गुजरात

ग. आंध्रप्रदेश

घ. पंजाब

प्र०2: सोहन के पिता ऑर्गैनिक खेती-बाड़ी करते है और वे चाहते है कि पढ़ लिखकर सोहन भी खेती-बाड़ी में ही सहयोग करे| वे ऐसा क्यों चाहते है?

क. क्योंकि आजकल ऑर्गैनिक खेती-बाड़ी में बहुत मुनाफा है|

ख. क्योंकि आजकल सरकारी नौकरी आसानी से नहीं मिलती|

ग. क्योंकि सोहन पढ़ाई में ज़्यादा होशियार नहीं था|

घ. क्योंकि सोहन को खेती-बाड़ी में दिलचस्पी थी|

प्र०3: राहुल को चंडीगढ़ से दिल्ली बस के द्वारा जाना है| बस अड्डे पर उसके द्वारा अपनाए गए कार्यों का क्रम बताए?

I. टिकट केंद्र से टिकट लेना|

II. दिल्ली जाने वाली बस के निर्धारित स्टैन्ड पर पहुँचना|

III. टिकट पर लिखे नंबर वाली सीट पर बैठना|

IV. कंडक्टर (परिचालक) को टिकट दिखाना

क. I, IV और II

ख. II, I, IV और III

ग. IV, I, III और II

घ. I, II, III और IV

उत्तर-तालिका = 1 (क), 2 (घ), 3 (ख)

पाठ - 15

नौकर

शिक्षण के लक्ष्य:

- मानवीय समानता व सभी को एक समान समझने की भावना के विकास पर बल देते हुए कक्षा में सभी छात्र चर्चा करेंगे जिससे छात्रों में श्रवण व वाचन कौशल का विकास होगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- गद्यांश के खंडों का पठन किया जाएगा| छात्र पाठ के मूल भाव पर अपने विचार रखने में समर्थ होंगे| पाठ में शब्द जैसे - कार्यकर्ता, आमतौर, आश्रमवासी, कैदियों आदि शब्दों का पठन कर पाएंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- गाँधी जी के व्यक्तित्व के बारे में कक्षा में लिखेंगे| जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- 8 से 10 नवीन व कठिन शब्द जैसे - घायलों, सम्मानित, निमंत्रित आदि शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे| भाषा ज्ञान में वृद्धि होगी|
- चर्चा- गाँधी एक महान आत्मा, श्रुतलेख, बोधात्मक प्रश्न इत्यादि तरीकों के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|
- शिक्षिका द्वारा छात्रों को घर के नौकर को घर के सदस्य की तरह व्यवहार करने की प्रेरणा जैसे नैतिक मूल्यों का विकास जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- हिन्दी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारी परक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी को लिखित या ब्रैल भाषा में व्यक्त करते हैं|

नीचे दिए गए विज्ञापन को देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्र०1: यह विज्ञापन किसके बारे में है?

क. अखबार के बारे में

ख. पुस्तक के बारे में

ग. साबुन के बारे में

घ. कपड़ों के बारे में

प्र०2: यह मेला कहाँ आयोजित किया गया था?

क. चंडीगढ़ में

ख. बेगलुरु में

ग. दिल्ली में

घ. मुंबई में

प्र०3: आगामी पुस्तक मेले का आयोजन किस नाम से किया गया था?

क. राष्ट्रीय पुस्तक मेला

ख. विश्व पुस्तक मेला

ग. साप्ताहिक पुस्तक मेला

घ. मासिक पुस्तक मेला

प्र०4: यदि आप एन० बी० टी० पुस्तक क्लब के सदस्य है और आपने एक पुस्तक खरीदी है जिसका मूल्य 200 रुपये है तो 20% छूट के पश्चात आपको कितना मूल्य देना होगा?

क. 150 रुपये

ख. 200 रुपये

ग. 160 रुपये

घ. 180 रुपये

प्र०5: आगामी विश्व पुस्तक मेले का आयोजन किस महीने में किया गया था?

क. दिसम्बर

ख. मार्च

ग. जनवरी

घ. जून

प्र०6: "पुस्तक मेला दिल्ली में आयोजित किया गया है|" इस वाक्य में स्थान को दर्शाता संज्ञा शब्द कौन-सा है?

क. पुस्तक

ख. दिल्ली

ग. मेला

घ. कोई नहीं

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (ख), 4 (ग), 5 (ग), 6 (ख)

पाठ -16

वन के मार्ग में

शिक्षण के लक्ष्य:

- राम-सीता का परिचय व अपनों की देखभाल का भाव उत्पन्न करते हुए कक्षा में चर्चा की जाएगी| इससे छात्रों में श्रवण व वाचन कौशल का विकास होगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- ओजस्विता पूर्ण कविता वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंशों से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा| केतिक, पर्णकुटी, लरिका आदि अन्य भाषा के शब्दों को पढ़ पाने में समर्थ होंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- पाठ के आधार पर अयोध्या का वर्णन लिखेंगे|
- अन्य भाषा के शब्दों के अर्थ हिन्दी में लिख पाएँगे| इससे छात्रों में लेखन कौशल का विकास होगा| पाठ के अंत में छात्र कम-से-कम 5 शब्द जैसे - मधुराधर, निकसी, बिलोचन, पर्णकुटी, आतुरता आदि शब्दों को लिख पाने में समर्थ होंगें|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- परिखौ, छाँह, प्रियाश्रम आदि 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे|
- चर्चा - राम पुरुषोत्तम क्यों?, लघु प्रश्न निर्माण, पाठगत प्रश्नोत्तर इत्यादि माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|

- शिक्षिका द्वारा छात्रों को सदा अपने वचन निभाने की प्रेरणा जैसे नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न विषयों, उद्देश्यों के लिए उपयुक्त विराम- चिह्नों का उपयोग करते हुए लिखते हैं|

प्र०1: निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम चिन्ह लगाए?

'वाह कितनी अच्छी कहानी है'

क. वाह, कितनी अच्छी कहानी है?

ख. वाह! कितनी अच्छी कहानी है|

ग. "वाह कितनी अच्छी कहानी है|"

घ. वाह? कितनी अच्छी कहानी है|

प्र०2: निम्नलिखित विराम चिन्हों का सही चिन्ह से मिलान कीजिए?

क. पूर्णविराम	(i)	!
ख. योजक चिह्न	(ii)	,
ग. अल्प विराम	(iii)	|
घ. विस्मयादिबोधक चिह्न	(iv)	-

प्र०3: पढ़ते, बोलते या लिखते समय थोड़ा-सा रुकने के लिए किस विराम चिह्न का प्रयोग होता है?

क. पूर्णविराम

ख. प्रश्नवाचक चिह्न

ग. योजक चिह्न

घ. अल्प विराम

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 [क (iii), ख (iv), ग (ii), घ (i)], 3 (घ)

पाठ - 17

साँस-साँस में बाँस

शिक्षण के लक्ष्य:

- बाँस की दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कक्षा में चर्चा की जाएगी| इससे छात्रों में श्रवण व वाचन कौशल का विकास होगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच-छह वाक्यों, जो लगभग 35 से 50 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- विभिन्न संदर्भों में प्रयुक्त भाषा की बारीकियों से अवगत होंगे| क्रमानुसार पाठ का पठन करेंगे| शब्द उच्चारण की त्रुटियों से अवगत होंगे|
- भाषा ज्ञान में वृद्धि होगी| खासतौर, भरण-पोषण, समुदायों, टोकरियों आदि शब्दों का पठन करने में समर्थ होंगें|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम पाँच वाक्य धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- पाठ के आधार पर बाँस के उपयोगों के विषय में लिखेंगे| इससे छात्रों में लेखन कौशल का विकास होगा| बाँस, सजावटी, शंकु, टोपियाँ, बुनावट आदि शब्दों को लिखने में समर्थ होंगें|
- एक अनुच्छेद - पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे| पाठ में आए विषय पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे| मित्र के लेखन पर 30-40 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- तर्जनी, गुड़हल, उस्तादी, खपच्चियों आदि 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ को जानेंगे|
- शब्द ज्ञान में वृद्धि होगी|
- चर्चा - हाथ से बनी चीज़ों का घटता महत्त्व, लघु प्रश्न निर्माण, पाठगत प्रश्नोत्तर इत्यादि माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा|

- शिक्षिका द्वारा छात्रों को मेहनत करने की प्रेरणा जैसे नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल

- विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं|

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

एक बार एक धनी व्यक्ति रिक्शे पर बैठकर बस-स्टैन्ड पहुँचा| उसके पास काफ़ी सामान था| वह अपना सामान लेकर बस में चढ़ गया और जल्दी में उसका एक थैला रिक्शा में ही छूट गया| रिक्शेवाले की दृष्टि थैले पर पड़ी, तब तक बस आँखों से ओझल हो चुकी थी| रिक्शेवाले ने थैले के सामान को देखा तो हैरान रह गया| उसमें पाँच हज़ार रुपये और कुछ आवश्यक कागज़ थे| कागज़ों पर लिखे पते को पढ़कर रिक्शावाले ने डाकखाने में जाकर उस व्यक्ति के नाम पाँच हज़ार रुपये का मनीआर्डर करवा दिया| उसने आवश्यक कागज़ों को रजिस्टर्ड पार्सल द्वारा धनी व्यक्ति के पते पर भेज दिया|

प्र०1: रिक्शेवाला कैसा व्यक्ति था?

क. बेफ़कूफ
ख. ईमानदार
ग. चालक
घ. लालची

प्र०2: रिक्शेवाले ने आवश्यक कागज़ों को रजिस्टर्ड पार्सल द्वारा ही क्यों भेजा?

क. क्योंकि सामान्य डाक से कागज़ गुम हो सकते थे|
ख. क्योंकि रजिस्टर्ड पार्सल उसी व्यक्ति को दिया जाता है जिसके नाम उस पर लिखा होता है|
ग. क्योंकि सामान्य डाक घर के किसी भी सदस्य को दी जा सकती है|
घ. क्योंकि सामान्य डाक महंगी होती है

प्र०3: रिक्शेवाले की तरह अगर आपको किसी के पाँच हज़ार रुपये और आवश्यक कागज़ मिलते तो आप क्या करते?

क. अपने पास रख लेते|

ख. रुपये खर्च कर देते और आवश्यक कागज़ फेंक देते|

ग. घर जाकर अपने माता-पिता को सबकुछ बताते और सही पते पर रुपये और कागज़ भिजवा देते|

घ. वही पर पड़े रहने देते|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरे आदि का उचित प्रयोग करते हैं|

प्र०4: "खिड़की के पीछे _____ खड़ा है?" रिक्त स्थान पर उचित शब्द भरें|

क. किसे

ख. कौन

ग. कब

घ. क्या

प्र०5: "राम किताब पढ़ रहा है|" वाक्य में किस काल की बात हो रही है?

क. वर्तमान काल

ख. भूतकाल

ग. भविष्य काल

घ. कोई नहीं

प्र०6: "टाँग अड़ाना" मुहावरे का सही अर्थ क्या है?

क. व्यर्थ में दखल देना

ख. गिरा देना

ग. टाँग फँस जाना

घ. अड़ जाना

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ख), 3 (ग), 4 (ख), 5 (क), 6 (क)

Contributor

- **Dr. Savita Gahlawat (ARP, Hindi)**

  Education Department

  UT Chandigarh

Reviewer

- **Ms. Poonam Katoch (PGT)**

  SCERT UT Chandigarh

Co-ordinator

- **Dr. Deepika Gupta**

  Assistant Professor

  SCERT UT Chandigarh

"Live as if you were to die tomorrow. Learn as if you were to live forever"

- Mahatma Gandhi

2021

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
SECTOR-32 UT CHANDIGARH